



का आवेदन लगीन पर दखल-नाकल हो। दारिद्र्य-
 खासियत लिखा ना सलना हो। अंश-निरीक्षण के
 लक्ष्याधी के प्रसिद्धन को सही बनाया है, तथा
 आवेदन लगीन का दारिद्र्य-खासियत हेतु अद्यतनांक
 आधार पर मौज आमायादा मौज सं 170 खाना-
 नुमा सं 360, 362, 363, 365, 341, 342, 392
 393 तथा 1.09 $\frac{3}{4}$ खण्ड लगीन का दारिद्र्य-खासियत
 हेतु श्री कंठे पाल सिंह का आवेदन पत्र को स्वीकृत
 किया जाना है।

नरेश्वर शक्ति - पत्र गीन प्रसि. सं. नं. 202 का
 निर्णय करे, तथा अनुपालन प्रसिद्धन दि. 24/5/07
 को जारी।
 लेखाधी
 80 अरु. 102
 17/5/2007
 अं 310

श्री. Hegde
 अ. 5. 17
 का

21/5/07
 श्री. Hegde

का आवेदन लगीन पर दखल-नाकल हो। दारिद्र्य-
 खासियत लिखा ना सलना हो। अंश-निरीक्षण के
 लक्ष्याधी के प्रसिद्धन को सही बनाया है, तथा
 आवेदन लगीन का दारिद्र्य-खासियत हेतु अद्यतनांक
 आधार पर मौज आमायादा मौज सं 170 खाना-
 नुमा सं 360, 362, 363, 365, 341, 342, 392
 393 तथा 1.09 $\frac{3}{4}$ खण्ड लगीन का दारिद्र्य-खासियत
 हेतु श्री कंठे पाल सिंह का आवेदन पत्र को स्वीकृत
 किया जाना है।



| प्रतिलिपि के लिए आवेदन की तारीख Date of application for the copy. | स्टांप और फोटो की आवश्यक संख्या सूचित करने की तिथि Date fixed for notifying the requisite number of stamps and folios. | अपेक्षित स्टांप और फोटो देने की तारीख Date of delivery of the requisite stamps and folios. | तारीख, जबकि देने के लिए प्रतिलिपि तैयार थी Date on which the copy was ready for delivery. | आवेदक को प्रतिलिपि देने की तारीख Date of making over the copy to the applicant. |
|--|--|---|--|--|
| 15.5.07 | 15.5.07 | 21.5.07 | 21.5.07 | 22.5.07 |
| 3.5.07 | अंचल अधिकारी का कार्यालय, गालिन्द्यूर 210 खोलो स्ट्रीट नं० 231 (VI) 07-08 श्री वर्न्डे पाप सिंड मिनि २-२० ग्रीन्डे सिंड २११० लानलार् द्वारा एक आवेदन पत्र देकर मौजा आमादाएल मौजा नं० 170 खोलो नं० 74 खेसारा नं० 360, एवं अन्य खोलो 1.05 3/4 खोलो दलिल नं० 1185 दिवांस 22.12.06 मूनि का दखिल - खेरिया आपन नाम से करने देन अनुशेष किया गया है। आवेदक द्वारा एक मूनि खोलिद दलिल का जोडा मूनी की समर्थन किया गया है। उन: खोलिद मर्मथारी जॉय कर जॉय प्रतिलेडन अंगल फीरिशन के माथेन से दिवांस 17.5.07 तक जागा खोल है एक आग खूथला निर्गन करे। 20 अक्टूबर 315107 310 310 | | | |
| 17-5-07 | अतिरिक्त आप अनुशेषित किया। आग अक्टूबर का मूनि प्रतिलेडन किया आपन का पत्र हुआ एका मर्मथारी का जॉय प्रतिलेडन अंगल के माथेन से प्राप्त है। विक्रम की पामावही खोलि है। खोलिडन कागजार | | | |

Handwritten signature or mark in red ink at the bottom right corner.